हीरानगर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, पीड़ितों का दुख-दर्द बांटा

किसानों को मुआवज़े और ग्रामीणों को हरसंभव मदद का भरोसा

हीरानगर, 12 सितंबर (लोकेश) : लगातार बारिश और बाढ़ ने कठुआ जिले के सीमावर्ती उपमंडल हीरानगर को बुरी तरह प्रभावित किया है। कई गांवों में पानी घुसने से किसानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गईं, जबकि कई कच्चे और पक्के मकान ढहने की कगार पर पहुंच गए। इस भयावह स्थिति को देखते हुए केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय में मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह शुक्रवार को विशेष आपात दौरे पर हीरानगर पहुंचे।

मंत्री ने सबसे पहले बाढ़ प्रभावित गांवों का जायज़ा लिया और वहां मौजूद किसानों व ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। गांवों की गलियों और खेतों में फैले पानी व कीचड़ के बीच ग्रामीणों ने मंत्री को बताया कि बाढ़ ने उनकी ज़िंदगी को अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई परिवारों की सालभर की मेहनत से उगी फसलें एक झटके में तबाह हो गईं। किसानों ने कहा कि धान की मुख्य फ़सलें पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं, जिससे उनके सामने रोज़ी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

एक महिला किसान की आंखों में आंसू छलकते हुए मंत्री से गुहार थी, साहब, हमारी फसल पानी में बह गई है, अब बच्चों को खिलाने के लिए अन्न तक नहीं बचा। इस दर्दनाक हालात को सुनकर डॉ. जितेंद्र सिंह ने जिला प्रशासन को सख्त निर्देश दिए कि किसानों की फसलों के नुकसान का आकलन तत्काल पूरा कर प्रभावित परिवारों को मुआवज़ा दिया जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ से उजड़े परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सीमावर्ती गांव पहाड़पुर का दौरा करते केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह। (लोकेश)

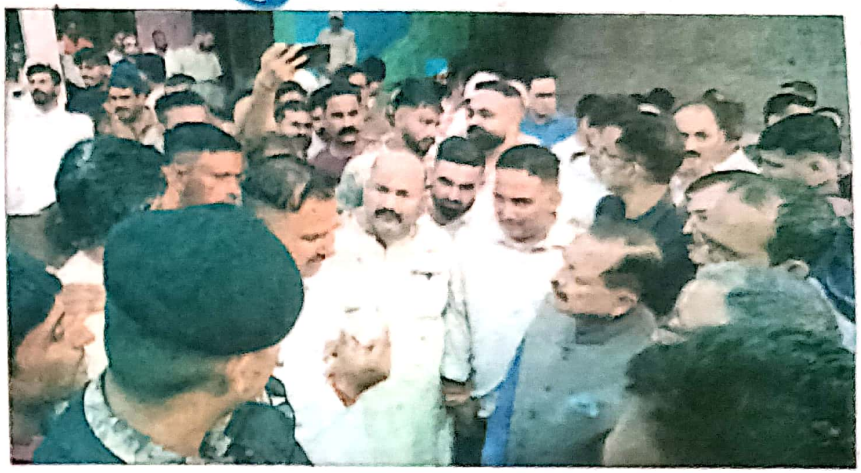

सीमावर्ती किसानों से बातचीत करते डॉ. जितेंद्र सिंह। (लोकेश)

मोबाइल जल शुद्धिकरण वैन और घरेलू यूनिट्स का किया शुभारंभ

ग्रामीणों की पीड़ा सुनने के बाद डॉ. सिंह ने राहत और पुनर्वास कार्यों को मज़बूती देने के लिए एक और बड़ी पहल की। उन्होंने आधुनिक तकनीक आधारित मोबाइल जल शुद्धिकरण वैन और घरेलू यूनिट्स का शुभारंभ किया। इस मौके पर राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने वैन और घरेलू इकाइयों का प्रदर्शन किया। मोबाइल वैन किसी भी स्रोत से पानी खींचकर प्रति घंटा 3 से 4 हज़ार लीटर पानी शुद्ध करने की क्षमता रखती है, जबकि घरेलू यूनिट्स ऐसी तकनीक पर आधारित हैं जो बिना बिजली के भी पानी को पीने योग्य बना देती हैं।

डॉ. सिंह ने इन इकाइयों को आमजन को समर्पित करते हुए कहा कि आपदा की घड़ी में किसी भी परिवार को स्वच्छ पानी के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ेगा। सरकार का प्रयास है कि सीमावर्ती गांवों तक हर बुनियादी सुविधा तुरंत पहुंचाई जाए। उन्होंने ग्रामीणों को बरसात के मौसम में जलजनित बीमारियों से बचाव के लिए पानी उबालकर पीने और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की भी सलाह दी।

सीमा क्षेत्र में 50 लाख मूल्य की नैनो-टैक्नोलॉजी आधारित विशेष गाड़ियां तैनात

केंद्रीय मंत्री ने जानकारी दी कि सीमा क्षेत्र में 50 लाख मूल्य की नैनो-टैक्नोलॉजी आधारित विशेष गाड़ियां तैनात की गई हैं, जो बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं में तुरंत राहत पहुंचाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं।

इसके अलावा बिजली के बिना चलने वाले छोटे पोर्टेबल जल फिल्टर भी बाढ़ प्रभावित परिवारों को उपलब्ध कराए गए हैं। दौरे के दौरान मंत्री ने खुद पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री सौंपी, जिसमें राशन, कपड़े और दवाइयां शामिल थीं।

बी.एस.एफ. के पहाड़पुर पोस्ट पर जवानों से की मुलाकात

डॉ. जितेंद्र सिंह ने बी.एस.एफ. के पहाड़पुर पोस्ट पर भी जाकर अधिकारियों और जवानों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल न सिर्फ देश की सीमाओं की रक्षा करता है, बल्कि आपदा की घड़ी में स्थानीय जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहता है। डॉ. जितेंद्र सिंह का यह दौरा बाढ़ प्रभावित सीमा क्षेत्र के लोगों के लिए उम्मीद की नई किरण लेकर आया है।

किसानों को भरोसा मिला है कि उनकी फसलों का नुकसान नज़रअंदाज़ नहीं किया जाएगा और उन्हें उचित मुआवज़ा मिलेगा। वहीं, स्वच्छ पेयजल और राहत सामग्री के वितरण ने स्थानीय लोगों को बड़ी राहत दी है। इस अवसर पर हीरानगर के विधायक विजय शर्मा, डी.सी. कठुआ राजेश शर्मा, डी.डी.सी. करण कुमार अत्री, एस.डी.एम. हीरानगर फुलैल सिंह समेत बड़ी संख्या में अधिकारी और ग्रामीण मौजूद थे।

Scanned with OKEN Scanner